25 फ़रवरी 2017

प्रति,

....

विषय: साइन्स एक्सप्रेस क्लाइमेट एक्शन स्पेशल II प्रदर्शिनी ट्रेन

प्रिय महोदय/महोदया,

साइन्स एक्सप्रेस क्लाइमेट एक्शन स्पेशल (एस.ई.सी.ए.एस.) II, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, जैव प्रौद्योगिकी विभाग तथा रेल मंत्रालय, भारत सरकार की एक अद्वितीय सहयोगात्मक पहल है। भारत भर में एस.ई.सी.ए.एस. के प्रबंधन का कार्य विक्रम ए साराभाई कम्यूनिटी साइन्स सेंटर (वी.ए.एस.सी.एस.सी.), अहमदाबाद, को सौंपा गया है। साइन्स एक्सप्रेस जलवायु परिवर्तन पर केन्द्रित एक अनूठी विज्ञान प्रदर्शिनी है जिसे 16 कोच की वातानुकूलित ट्रेन पर स्थापित किया गया है।

साइन्स एक्सप्रेस की शुरुआत 2007 में हुई थी। वर्तमान चरण में एस.ई.सी.ए.एस. II 17 फ़रवरी से 08 सितंबर 2017 तक 68 स्थलों की यात्रा करेगी। इस अत्याधुनिक प्रदर्शिनी का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के बारे में लोगों में विशेषकर स्कूलों एवं कालेजों के छात्रों में व्यापक जागरूकता पैदा करना है। अब तक इस विज्ञान प्रदर्शिनी को इसके 459 पड़ाव पर 1.56 करोड़ से भी ज़्यादा लोगों ने देखा है। इस प्रकार साइन्स एक्सप्रेस सबसे बड़ी, सबसे लंबे समय तक चलने वाली तथा सबसे ज़्यादा लोगों द्वारा देखी गई गतिशील विज्ञान प्रदर्शिनी बन चुकी है। अगले कुछ दिनों में यह प्रदर्शिनी निम्नलिखित स्थानों पर रुकेगी, जिस दौरान लोग इस प्रदर्शिनी को देख सकते हैं:

उधमपुर रेलवे स्टेशन	:	3 - 4 मार्च 2017
नंगल डैम रेलवे स्टेशन	:	6 - 7 मार्च 2017
सरहिंद रेलवे स्टेशन	:	8 - 10 मार्च 2017
चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन	:	12 & 14 मार्च 2017
रामपुर रेलवे स्टेशन	:	15 - 17 मार्च 2017

समय - प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक

एस.ई.सी.ए.एस.II की प्रदर्शिनी देखने के लिए हम सभी को आमंत्रित करते है, जिनमें मुख्यत: छात्रगण शामिल हैं। इसे देखने के लिए कोई प्रवेश शुल्क नहीं हैं। साइन्स एक्सप्रेस के बारे में अधिक जानकारी www.sciencexpress.in वैबसाइट पर उपलब्ध हैं। प्रदर्शिनी में आने के लिए या अधिक जानकारी के लिए आप sciencexpress@gmail.com पर ई-मेल कर सकतें हैं या ट्रेन पर टीम को इन नंबर पर संपर्क कर सकतें हैं -09428405407, 09428405408। इस पत्र के साथ एक पोस्टर एवं संक्षिप्त नोट संलग्न है।

साइन्स एक्सप्रेस की सफलता के लिए हम आप से विशेष सहयोग की अपेक्षा रखते हैं, जिससे की इस प्रतिष्ठित प्रदर्शनी को अत्यधिक प्रसिद्धि मिले और विध्यार्थीगण लाभान्वित हों।
भवदीय,

दिलीप सुरकर, निदेशक, विक्रम ए साराभाई कम्युनिटी साइंस सेंटर